एक सच्ची कहानी

प्रभू यीशू ने मेरा जीवन बचाया

मेथ्यू नीधम

मै आप सब को अपनी कहानी बताना चाहता हूँ के कैसे परमेश्वर ने मेरा जीवन बचाया। क्या कारण है कि मैं उनकी अदभुत शक्ति मे विश्वास करता हु, और क्यों संसार को बताना चाहता हूं के यीशू प्रभु ही इस संसार के रखवाले हैं, यह सच्चाई आप स्वंय पता करें कि परमेश्वर एक है जो आप को अपने राज्य में बुलाना चाहते है।

जवानी की उम्र से ही मैं गम्भीर स्वभावका था। मैं जीवन का सच्चा अर्थ जानना चाहता था। यह परिवर्तन होने में कुछ समय लगा। यह विचार मेरे मन में जब आया तब मैं सोलह वर्ष का था। यह परिवर्तन और विचार मेरे मन में एक मसीह सम्मेलन के कारण आया। इस से पहले मैं जीवन की समस्याओं का समना कर रहा था।

मेरे जीवन मे इतनी अधिक समस्यायें थी कि मैं उन्हे सुल्झा नही पा रहा था। सोचता था कि मेरे जीवन का क्या उद्देश्य है। मै परमेश्वरमें विश्वास करता हु+ और उनके करीब आना चाहता हू+. पर मेरे सामने अभी भी कई बाधायें थी। में सोचता था कि यह समस्या हल करने का एक ही तरीका है, मर कर स्वर्ग चले जाना। शैतान मुझे यह सोचने पर मजबूर करता था कि मेरा जीवन बेकार है, मृत्यु मुझे पुकार रही थी कि जीवन का अन्त कर ले। इस विचार ने पूरी तरह से मेरे दिल और दिमाग पर काबू पा लिया था, जब भी मुझ से कोई गलती होती तो यही सोचता कि इस से तो मर जाना अच्छा है।

मेरे पिताजी के कमरे कि अलमारी में उनकी बन्दूक थी, मैंने किसी को बिना बताये बन्दूक ली खिडकी के रास्ते से बाहर आ गया, और ऐसी जगह ढूंडी जहा मुझे कोई ना देख सके, मैंने बन्दूक मे गोलियां डाली, बन्दूक की नाली सिर के बीचों बीच रखी, इक छोटी सी प्रार्थना की, और

बन्दूक का घोडा दबा दिया कि अब जीवन समाप्त हो जायेगा, मगर कुछ नहीं हुआ क्या मैं आत्म हत्या करने से बच गया, असल मे एक प्रकार का सेफ्टी लक लगा हुआ था जिस के कारण गोली नही चली, भय के कारण मैं थर्रा रहा था, सोच रहा था कि आज मेरे जीवन का अन्त है, सच्चाई तो यह थी कि मैं मरना नही चाहता था, इसी कारण मैं परमेश्वर के आगे फूट फुट कर रो रहा था, मैं जीवन जीने का उद्देश्य पाना चाहता था। आप कोई भी हो परमेश्वर ने आप को एक विशेष उद्देश्य के लिए बनाया है। आप को उस उद्देश्य की खोज करनी होगी, जिस को परमेश्वर ने आप के जीवन के लिए रखा है, वह आप को बुला रहा है।

जब मै इस सम्मेलन में पहु"चा तो वहा" एक आदमी प्रचार कर रहा था कि किस प्रकार परमेश्वर ने उसका जीवन बचाया। और मैं भी ईश्वर की उपस्थिति महसूस करने लगा, मेरी छाती पर से जैसे बोझ हट गया, और मुझे एहसास होने लगा कि ईश्वर मुझे बुला रहा है, मुझे आगे बढना है,

ईश्वर से प्रार्थना करनी है, यह एहसास मेरे मन मे मजबुती से जड पकडता गया, तभी प्रचारक ने कहा "जिसे प्रार्थना की आवश्यकता है वे सभी लोग सामने आये। मैं फौरन सीधा ऊपर चला गया। वहा मैं ने अपने आप को रोता हुआ पाया शायद सारे जीवन में सब से अधिक उस दिन रोया, कूछ अदभुत सा महसुस हो रहा था, क्योंकि जब मैंने अपनी आंख बन्द की तो लगा कि कोई चमकदार रोशनी दिखाई दे रही है। जितनी बार आंखे बन्द की वैसी हो रोशनी दिखाई दी। जब प्रचारक मेरे सामने आकर प्रार्थना कर रहा था तो मैं ने एक अनोखी आवाज सुनी" और एसा लगा मानो बिजली का करन्ट सारे शरीर से निकल रही हो। जैसे कोई गर्म लहर शरीर से निकल रही हो। यह बहुत ही शक्तिशाली झटका था और बिजली के करन्ट का समान गर्म था। असल में यह महान पवित्र आत्मा की शक्ति थी। जब मैं ने इधर उधर देखा तो सारे लोग पवित्र आत्मा से भर कर सिर झुका कर ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। वास्तव में

क्या हो रहा था कुछ समझ में नही आ रहा था। मै तो केवल रो रहा था। यह मेरे जीवनका पहला अनुभव था मैंने परमेश्वर की शक्ति को महसूस किया और पूरी तरह से जीवन मे बदलाव आ गया।

यीशू प्रभु ने कहा है।"मै दूनिया का नूर (उजाला हूं) जो मेरे पीछे आयेगा वह अंधकार मे नही चलेगा किन्तू उसे जीवन की रोशनी मिलेगी" (यूहना ८:१२) परमेश्वर कि शक्ति मिलने के बाद मेरी आ"खे खुल गई मैंने परमेश्वर की शक्ति का उजाला देखा। इस नई शक्ति ने मेरे सारे जीवन को बदल दिया मेरे हर काम और बात में एक प्रकार का फर्क आ गया, जीवन के प्रत्येक अंशो में फर्क आ गया था। परमेश्वर को विस्तृत रूप से समझने, बाईबिल पढ्ने, और प्रार्थना करने की भूख पैदा हो गई। मैंने पवित्र आत्मा का विषय में सुना कि जब प्रभु यीशू स्वर्ग मे गये तो उन्हो ने अपनी पवित्र आत्मा को धरती पर भेजा कि हम लोगों को दोषी ठहरा कर शक्ति प्रदान हो और हम उनकी गवाही दे (यूहन्ना १६:७) मुझे ज्ञान हो गया

कि यह शक्ति मुझे ईश्वर का प्रचार करने के लिए मिली है। मैंने अपने मित्रों से प्रभु यीशू के विषय में बात करना शुरू कर दिया मैंने यह भी सना कि पवित्र आत्मा दूसरी भाषाओ में बोलने का उपहार देती है। मैंने भी परमेश्वर से प्रार्थना की। हे परमेश्वर मुझे भी अन्य भाषओं मे बोलने का उपहार प्रदान कर (प्रेरिती २:४) जैसे ही मैंने अपने दिमाग में अनोखे शब्द लिखे पाये। मगर मुझे उन शब्दो का अर्थ समझ नही आया, क्योंकि वे शब्द किसी अन्य भाषा मे लिखे थे। वह शब्द ठीक मेरे सामने था मैं उसे देख सकता था। फिर मैं ने उसे पढ्ना शुरू किया। और इस प्रकार मैं अन्य भाषामे बोलने लगा। यह पवित्र आत्मा का बहुत बडा वरदान है, पवित्र आत्मा आज भी हम लोगो के साथ है, (पहला कोरिन्थियों १२:१०) परमेश्वर ने मेरे जीवन को छुआ। उसके बाद एक और अनोखी घटना घटी। जीवन में कभी ऐसी दुष्ट आत्मा कि शक्ति नही देखी थी। एक आदमी किसी के लिए प्रार्थना कर रहा था वह धरती पर गिर गया, जैसे

के उसे जोर से दबोच रहा हो, अचानक उसका हाथ खिंचता दिखाई दिया उसके हाथका आकार बिगड गया, वह एक दम लाल हो गया और वह दुष्ट आत्मा उसके भीतर से गलत शब्दों में बोलने लगा, ये दुष्ट आत्मा के शब्द थे उसका शरीर तडप रहा था जैसे उसके भीतर लडाई हो रही हो। वहां दुष्ट आत्मा उपस्थित थी और ईसाइ लोग प्रार्थना कर रहे थे "प्रभु यीशू के नाम में आज्ञा देता हूं कि तू बाहर निकल जा" यह देखना कितना भयानक लगता है जब दुष्ट आत्मा शरीर से बाहर निकलने से इन्कार करती है। मगर उसके पास और कोई रास्ता न था। क्योंकि उसकी शक्ति टूट चुकी थी। अचानक वह आदमी शान्त हो गया और वह स्वतन्त्र हो गया। इस दुष्ट आत्मा को शैतान कहते है जो दुष्ट आत्मा का सरदार है जो मनुष्य का जीवन नष्ट करने पर तुला रहता है, परमेश्वर शुद्ध, सत्य, प्रेम पवित्र और सही है।

शैतान नफरत से भरा हुआ है, कमजोर और पूर दुष्ट है, वह असत्य, अपवित्र, निकम्मा और

घृणित है, वह लोगो को रोकने की कोशिश करता है ताकि लोग परमेश्वर के सच्चे मार्ग पर न चलें। शैतान चोरी, हत्या और सर्वनाश करने आता है। मगर प्रभु यीशू हमे स्वतन्त्रता और भरपूर जीवन देने आता है। (यूहना १०:१०) आत्म हत्या का विचार मेरे मन को बार बार कचोच रहा था, अब भी मैं उसे नही भुला हूं। मगर प्रभु से प्रार्थना करने के बाद यह विचार मेरे दिमाग से खत्म हो गया, मैं ने प्रार्थना मे कहा "हे परमेश्वर मुझे जीने की इच्छा प्रदान करो" अचानक मेरा दिल और दिमाग बुरे बिचारो से मुक्त हो गया और परमेश्वर ने मुझे जीने का सहारा दिया, मेरे सामने एक लक्ष और उद्देश्य रख दिया, परमेश्वर ने मेरी विन्ती स्वीकार कर ली। दुष्ट का काम ही मनुष्यों को बीमार, पागल, मानसिक रोग और पापी बनाना है। बहुत लोग शैतान की आवाज सूनकर बुरे कामो के जाल मे फंस जाते है। शैतान कोई कल्पना नही है, वह संसार मे अवश्य ही मौजूद है। क्योंकि शैतान के काम संसार मे चारों तरफ दिखाई देते है,

शैतान दुष्ट का मार्ग दर्शक है, जो मौत कि ओर खींच कर ले जाता है। परमेश्वर के लोगों को सही मार्ग पर चलने से रोकने के लिए धन दौलत और दूसरे लालच देते है। प्रायः अधिक धनी लोग शैतान के चक्कर में फंस कर धोखा खाते है, वह लोगों कि शारिरिक ईच्छाओं को पूरा करने को उकसाते है। बलात्कार, चोरी, खून जैसी बुराइयों कि ओर लालच देकर बढ्ने कि प्रेरणा देता है। शैतानी जाल में फसकर निकलना असम्भव है। मगर ईश्वर की इस जाल को काट सकता है एक सुबह जब मैं नीदं से उठा तो मेरे सामने एक नंगी स्त्री का चित्र आ खडा हुआ और साथ ही एक आवाज सुनी जो मुझ से कह रही थी "यह दुष्ट नही है।" मगर उसी समय मुझे ज्ञान हो गया कि यह कोई बुरी दुष्ट आत्मा है, तब मैं ने उस स्त्री को दुत्कारकर तुरून्त चले जाने को आदेश दिया। यह दुष्ट आत्माये मनुष्यों को बुरे विचारो में फंसा लेती है मगर परमेश्वर कि आज्ञा है कि हम व्यवहारिक रूप से उस पर विश्वास करे और आदर करें। उसने

हमे समझने की योग्यता दी है बाईविल के अनुसार विवेक सब से आदर की बात समझी गई है, विवेक का बिधाता निष्कलंक रहे क्योंकि परमेश्वर बुराईयों का न्याय करेगा। (ईब्रानियों १३:४)

मर्द का मर्द से शारिरिक सम्बन्ध, बलात्कार और सारे बुरे काम जो आज हो रहे है वह सब शैतानी जाल है आप शैतान द्वारा बताए गये रास्ते पर चल रहे है, मनुष्य जाति दुष्ट आत्मा के चंगुल में फंस कर पापों कि बोझ तले दबता जा रहा है। मगर जो परमेश्वर के रास्ते पर चलते है वे दुष्ट आत्मा की आवाज नही सुनते है।

धरती पर दो राज्य है एक अंधकार का जिसका राजा शैतान है दूसरा रोशनी का जिसका राजा प्रभु यीशू है। शैतान का बनाया रास्ता चौडा और सुन्दर है। जिस पर मुनष्य दौड कर चलता है। मगर यह चौडा रास्ता नर्क की ओर घसीटता है। दूसरा रास्ता कठिन है जिस पर चलना कठिन है मगर यह मनुष्य को स्वर्ग की ओर ले जाता है। यह निर्णय करना है कि हम कौन सा रास्ता

अपनाये, चौडा या संकडा। जब लोग पापी और चौडा रास्ते पर चलते है तो वे दुष्ट आत्मा का जाल में फंस जाते है। मगर जो पवित्र आत्मा क विरूद्ध पा करेगा वह कभी क्षमा के योग्य नही होगा, वह सीधा नर्क जायेगा, जादू टोना, परमेश्वर की हंसी उडाना नर्क के ओर ले जाते है। वे सदा नर्क की आग की भट्टी मे जलते रहेंगे, यीशू की पवित्र शक्ति ने मुझे शैतान के हाथो नष्ट होने से बचा लिया, और पापों से मुक्ति दिलाई, आप भी मुक्त हो सकते है, यदि आप परमेश्वर का नाम लेकर अपने जीवन को ईश्वर की सेवा में समर्पित कर दे, दुष्ट आत्माओं को छोड कर प्रभु यीशू की शरण मे जाना पडेगा, प्रभु सब रोगो से चंगा करता है, पापो को क्षमा करता है। वही पापो से छुटकारा दिलाता है। वह पवित्र महान और शक्तिशाली ईश्वर है।

परमेश्वर की वास्तविक शक्ति और उसके विषय में अधिक जानने की जिज्ञासा मेरे मन में और भी ज्यादा होने लगी, मुझे किसी प्रकार का

सूकून नही था, मानो मन भीतर जल रहा हो। मुझे अपने प्रश्न का उत्तर नहीं मिल रहा था, मैं ने ईश्वर से प्रार्थना की "आपने जैसे मूशा को दर्शन दिया वैसे मुझे भी दीजिये, हे प्रभु मुझ पर रहम करिये मेरे सामने आईये मै मूशा जैसा बनना चाहता हुं" क्योंकि मूशा ने परमेश्वर से बात की और उसकी महिमा देखी (प्रस्थान ३३:११) ईब्राहिम ईश्वर की महिमा को जानता था, मुझे इस बात का ज्ञान है मैं भी ईश्वर का दोस्त बनना चाहता हूं, मैं इसके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, प्रेरित पौलूस को सूर्य की चमकदार रोशनी के समान अपने दर्शन दिये गये (प्रेरित २६:१२-१८) मैं जानता हूं के यीशू ने यूहन्ना को अपनी आखों को ज्वाला बनाकर दर्शन दिये (प्रकाशित १:१२-१६) मुझे भी इसी प्रकार का अनुभव हुआ।

मैं जीवन कि असली अर्थ समझने की कोशिश करने लगा और सोचता की परमेश्वर को जानने और उसकी नजदीक में रहना ही जीवन का सब से महान कार्य और असली अर्थ है हम सब को

परमेश्वर की नजदीकी में रहना उसकी महिमा करना ही मसीही है अपने दिलो को खोलो और उसे दिल में स्थान दो। हमारा विश्वास यही होना चाहिये। हमारा मजबुत विश्वास परमेश्वर के प्रति एक दम कट्टर होना चाहिये अन्तिम न्याय के दिन प्रभू के भक्त स्वर्ग में प्रवेश करेंगे। बाईबिल कहती है "वे सब ईश्वर का चेहरा देखेगें (प्रकाश २२:४) सब विश्वासी प्रभु यीशू की दूसरी आगमन की प्रतीक्षा कर रहे है। वे परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठा है। मगर जैसे ही सुसमाचार समस्त संसार में फैल जायेगा तब अन्तिम समय आयेगा और हम परमेश्वर के भरपूर महिमा देखेगें (मत्ती २४:१४) परमेश्वर अपने लोगो के लिए स्वर्ग का द्वारा खोलेगा ताकि सब प्रवेश कर सके। सब प्रभू की महिमा को देखेगें। न्याय के दिन हम और भयभक्ति के साथ परमेश्वरको आगे खडे रहेंगे। मगर जो प्रभू को नहीं जानते उन्हे प्रभु की शक्ति और महिमा से अलग कर दिया जायेगा (थेसलोनि १:७-१०) हमे सुसमाचार की आज्ञा का पालन करना

होगा मूशा द्वारा कानून बनायें गये मगर ईसा मसीह ने मुक्ति का सुसमाचार दिया। और इसी रास्ते पर चलने से पापों से छुटकारा मिलेगा। धर्म और धार्मिकता हमारे पाप क्षमा नहि कर सकते अपना जीवन प्रभू को अर्पण करना होगा यही मुक्ति का असली रास्ता है।

हमे अपनी आत्मिक भुख को बढाना होगा। हम शरीर को मजबूत बनाने के लिए भोजन करते है। आत्मा शरीर से ज्यादा महत्वपूर्ण है। आत्मा को मजबूत बनाने के लिए प्रभू के वचन की आवश्यकता है। परमेश्वर का वचन ही आपको आत्मिक शक्ति देगा। यदि आप भोजन नही करेंगे तो शरीर कमजोर हो जाएगा और अन्त में मृत्यु हो जायेगी, इसी प्रकार बिना प्रभु के वचन से आत्मा की हत्या हो जायेगी जब शैतान ने प्रभू की परीक्षा ली तो शैतान ने प्रभू को पत्थरों को रोटी मे बदलने को कहा तब प्रभू ने उत्तर दिया कि मनुष्य केवल रोटी से ही नही जीता परन्तु प्रत्येक शब्द जो प्रभू के मुख से निकले विश्वास लाने से जीवित

रहता है। (मत्ती ४:४) अधिकतर लोग आत्मिक रूप से गिर चुके है क्योंकि उन्हों ने आत्मा की कभी चिन्ता नहीं की, इसलिए मैं आपको महत्वपूर्ण बात बताना चाहता हूं कि परमेश्वर के पास जाने का भेद क्या है। मन में उसकी भूख जगाओ उसे खोजो उसे साथी और मित्र बनाओ। वही पापों से मुक्त करेगा जीवन को स्वतन्त्र करेगा, उस से रो रोकर विन्ती करो, अपने दुःख और समस्याओं को प्रभु के हवाले कर दो।

जब मैं विश्वासी मसीही बन गया तो परमेश्वर में मजबुती से रहने के लिए दो बातों ने मेरा साथ दिया, पहली प्रार्थना करने का ढंग, दूसरे सब को सुसमाचार का संदेश देना, मैं गली गली सडको पर खडे होकर सुसमाचार का प्रचार करने लगा और पत्र पत्रिकायें बाटने लगा। लोगों को प्रभू पर विश्वास लाने को कहा, और सुसमाचार के प्रचार के लिए पुरे देश मे यात्रा की, बहुतों ने सुना मगर अधिकतर लोग तो संसार की रंगीनमार्ग में मस्त है शराब पीना, जुआ खेलना, अभि पापों से

उन्हे फुरसत नही मिलती। वे परमेश्वर की आज्ञा और उद्धार को मजाक समझते है, जीवन को नष्ट करके नरक का मार्ग तयार करते है। इन्ही पापों का कारण बहुत से परिवार बरबाद हो चुके है उनके मन में शान्ति नही है। वे ईश्वर से दूर चले गये है। क्योंकि वे अपना जीवन ईश्वर को अर्पित करने से डरते है। और अब हमे लोगों को चेतावनी देना है। इस से पहले कि देर हो जाये। सच्चे मन से प्रायश्चित करना जरूरी है। जो पाप करता है वह पाप का गुलाम है।

मेरे कुछ साथी और ऐसे मित्र है जो दुनियादारी में फंसे हुए है, जोर जोर से अश्लील गाने सुनना, शराब पीना और दूसरे बुरे कामो में व्यस्त रहते है। मुझे दुःख होता मैं ने उन्हे परमेश्वर के बारे में बताना शुरू किया मगर किसी ने भी मेरी बातों पर ध्यान नही दिया, उनलोगो कि मन मे गन्दगी के सिवा कुछ नही था, उनके मन ईश्वर की ओर बन्द और कठोर हो चुके थे। एक मित्र से मेरी मुलाकात हुई, वह दुसरे मित्रो के साथ

पार्टी में गया, वहां इतनी ज्यादा शराब पी ली जिसके कारण गाडी चलाना कठिन हो गया। वह गाडी में अपने घर जा रहा था, घर पहुचने से पहले ही गाडी दुर्घटना मे उनका मौत हो गया वह सम्भाल न सका, इस तरह उनका जीवन का अन्त बिना मुक्ति के ही हो गया। शैतान चोरी, हत्या, और सर्वनाश करने के लिए आता है, और सब के मन की शान्ति को नाश कर देता है।

मैं जगह जगह की यात्रा करने लगा, मैं ने देखा लोग पाप में चुर हैं। मै उन्हे परमेश्वर का ज्ञान देकर पश्चाताप की शिक्षा देने लगा, कि आओ प्रभू को स्वीकार करो। एक जगह मेरी भेट एक जवान लडकी से हुई थी जो शराब के नशे में द्युत थी, मैं ने उसे गलत रास्ता छोड कर सही रास्ता अपनाने की विन्ती की। इस लडकी को शराब सेवन करने की आदत हो गई और इसके लिए वह नाइट क्लब जाने लगी, कई बार उसे नाइट क्लब के भीतर घुसने की अनुमति नही मिली। क्योंकि अभी उसकी उम्र इसके योग्य नही थी, मैं ने उसे

सुसमाचार सुनाने की कोशिश की मगर उसने सुनने से इन्कार कर दिया। शराब की ज्यादती के कारण उसका शरीर रोगी हो गया, उसके मित्रो को जबरदस्त झटका लगा, कि ऐसा कैसे हो गया, ये अब अपनी मित्र से कभी नहीं मिल सकेगी, उन्हों ने क्लब, पार्टी, शराब को छोडने की भरपूर कोशिश की, मगर ईश्वर की ओर मुहँ नही मोडा अब बहुत देर हो चुकी थी मृत्यू ने उसे संसार से तो उठा लिया मगर आत्मा की मुक्ति न हो सका।

मनुष्य को अपना जीवन बरबाद नहीं करना चाहिये हमे परमेश्वर के राज्य की ओर ताकते रहना चाहिये और चिपटे रहना चाहिये, बाईबिल कहती है कि स्वर्ग का राज्य जोर पकड रहा है और बलवान लोग उसे पकडे हुए है (मत्ती ११:१२) आप को परमेश्वर के लिए जिना है, यीशू बुला रहा है इस मौके को मत छोडिये। परमेश्वर ने आप के लिए यह स्थान रखा है। कोई नही जानता कि उसका जीवन कितना लम्बा या छोटा है, कब तक जीयेंगे, बहुत से लोग सवेरे मौत का नाम लेक

उठते है। वे नही जानते कि मौत कब आ जायेगी, शायद आज ही अन्तिम दिन हो, वे नियमानुसार अपना काम करते है, मगर पश्चाताप का समय नहीं मिलता और मौत दबोच लेती है। बाईबिल कहती है, मनुष्य को एक बार मरना जरूरी है मौत का एक दिन निश्चित है। उसके बाद न्याय (हिब्रु १:२७) हम सब का न्याय होगा कि इस संसार में हमने कैसे काम किये है उस समय स्वर्ग की पुस्तक खोली जायेगी। जिस का नाम उस किताब में नही होगा उसे नरक की आग में फेक दिया जायेगा (प्रकाश २०:११-१५) आप यीशू मसीह के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते है यह बहुत ही महत्वपूर्ण है इस लिए स्वर्ग के राज्य में जानेका यही एकमात्र उपाय है कि आप का नाम स्वर्ग की पुस्तक में होना चाहिये, प्रभु यीशू इस संसार में परमेश्वरका राज्य फैलाने और पापियोंका उद्धार के लिए आया। शैतान मत्यूका प्रतीक है। मगर जो यीशू के साथ है वे सदा जीवित रहेंगे उनके जीवन का उद्धार हो जायेगा, वे स्वतन्त्र हो जायेंगे तो

आइये हम ईश्वर पर विश्वास लायें और जीवन को शैतान के चंगुल से छुटकारा दिलायें, मैं एक जवान आदमी से बात कर रहा था जो अपना जीवन यीशू को अर्पित कर देना चाहता था। वह एक चोर था चोरी करके बहुत सामान इकट्ठा कर लिया था उसके पास चोरी का एक रेडियो था। मैने कहा तुम वो रेडियो वापस कर दो, क्योंकि कोई भी चोर ईश्वर के राज्य में प्रवेश नंही कर सकता है (१ कोरिन्थी ६:१०)। मगर उसे रेडियो से अधिक प्यार या प्रभू को छोड उसने हर चाह को गले लगा लिया मैं ने उसे वहुत समझाया चेतावनी दी मगर सब बेकार। प्रभू यीशू कहते है कि यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और प्राणों की हानि उठाये तो उसे क्या लाभ होगा? और मनुष्य अपने प्राणों का बदले क्या देगा? (मारकुस ८:३६-३७) प्रभु यीशू कहते है "जो कोई भी मेरे साथ नही है वह मेरा विरोधी है" (लूका ११:२३) आप किस के साथ जीवन बिता रहे है? प्रभु यीशू के साथ या उनके विरोधी के साथ? आप को इसका चुनाव अपने

आप करना होगा, एक ही समय मे ईश्वर और शैतान की पुजा नही कर सकते, न्याय के दिन हम दो ही प्रकार के लोगों से भेट करेंगे एक यीशू के अनुयाई और दूसरे शैतान के, जो यीशू के शत्रु है, बीच का कुछ नही है, प्रभु यीशू कहते है जो मनुष्यों के सामने मुझे पहचानेगा उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने पहचानुंगा। मगर जो कोई मेरा इन्कार करेगा मैं भी स्वर्गीय पिता के सामने उसका इन्कार करूंगा (मत्ती १०:३२-३३)। परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए आप को सत्य और धार्मिकता का रास्ता चुनना होगा। शैतान की शक्ति से स्वतन्त्र होकर ज्योति की ओर बडना होगा, और ईश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा, प्रभू यीशू ने मेरे जीवन से शैतान की शक्ति को तोड दिया इसलिए मैं मुक्ति के समाचार की घोषणा करता हूं। एक सत्य शक्ति है जो रक्षक है और मृत्यु पर विजय पाती है। दूसरी झूठ और छल कपट शक्ति है जो केवल मृत्यु की ओर ले जाती है मगर प्रभु यीशू ने उस शक्ति को तोड

दिया और सदा सदा के लिए वह जीवित है ताकि आप की स्वर्ग में स्थान प्राप्त हो और अनन्त जीवन मिले प्रभू यीशू ने शैतान को हरा दिया, यीशू मसीह सारे संसार को मुक्तिका मार्ग दिखा रहा है, वह सब को मुक्ति दिला रहा है, सब को पापों से मुक्त करने के लिए न्योता दे रहा है। यदि आपका दिल परमेश्वर की ओर है तो आप ज्योति में चलेंगे, मगर इन्कार करने वाला अधंकार में भटकता रहेगा।

एक दिन जब मैं प्रार्थना कर रहा था तो मैं ने परमेश्वर को अपने पास महसूस किया, मेरे दिल में ईश्वर के प्रति आनन्द ही आनन्द था, प्रार्थना के बाद जब मैं ने खिडकी खोली तो देखा कि एक ट्रक ड्राइवर अपने ट्रक को देख रहा था, शायद उसके ट्रक में कुछ खराबी थी और वह समझ नहीं पा रहा था। मैं ने परमेश्वर से उसके लिए प्रार्थना कि और यह भी विनती की "हे प्रभु इस व्यक्ति को नरक में जाने से बचाओ, इस समय इसको सहायता की आवश्यकता है।" उसी पल मैं ने परमेश्वर की आवाज सुनी, यह आवाज साफ थी और मेरे दिल

को छू कर कह रही थी मैं ने पहले से ही संसार में अपने बेटे को भेज चुका हूं। ताकि मनुष्य उस पर विश्वास लायें और मुक्ति पाये। तुम इस के बारे में क्या कर रहे हो। पहली बार मैं ने परमेश्वर की आवाज सुनी थी, मुझे खुशी और डर लगने लगा मैं ने एहसास किया कि, ईश्वर ने तो पहले से ही उद्धार का रास्ता बना दिया है। यीशू प्रभु ने अपने आप को क्रूस पर चढा दिया और दर्दनाक मौत सही ताकि हम सब पापों से मुक्त हो सकें, उसके खून से हमारे पाप धुल जाते है। प्रभु ने इतनी बडी कुरबानी देकर अपनी जिम्मेदारी को निभाया और वादा पूरा किया अब हम लोगों को अपनी जिम्मेदारी निभाना है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रभू का वचन फैलाने में सहायता करनी चाहिये, अपने भटके साथियों को प्रभू के पास लाओ, उन्हे समझना है कि वे स्वर्ग जायेंगे या नरक में। मैं घर से नीचे उतर कर उस आदमी के पास गया तो देखा वह आदमी पहले से ही इसाई था और वह बाइबिल शिक्षा भी ले रहा था। हमे सुसमाचार का प्रचार करना चाहिये ताकि

ज्यादा से ज्यादा मनुष्य बच सकें, हमे परमेश्वर की आज्ञा पालन करना चाहिये।

दूसरी बार फिर मैं ने परमेश्वर की आवाज सुनी उस समय मैं पास्टर को साथ प्रार्थना कर रहा था इसी नगर में हजारो जवान लोग नशीली वस्तुओ का प्रयोग, और बुरे करतूत करते है। उस समय हम सच्ची मसीही जागृति के लिए प्रार्थना कर रहे थे। मैं भी अपने एक मित्र के लिए प्रार्थना कर रहा था, उस से मैं कुछ ही देर पहले मिला था, उसका पैर मोटर साइकिल दुर्घटना में टूट गया था, और हम सब एम्बुलेन्स का इन्तजार कर रहे थे। जब मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था तब मैं ने यीशू प्रभु की आवाज साफ सुनी "तुम्हे पता नही कि तुम क्या मांग रहे हो" प्रभू यीशू ने कहा जो प्याला मैं ने पिया क्या वह तुम पी सकते हो? (मारकुस १०:३०) मुझे सन्देह होने लगा कि क्या परमेश्वर मुझ से ही बोल रहा है या नही? उसी समय पास्टर ने वही समाचार पढा और मेरी समझ में आ गया कि वह परमेश्वर की आवाज

थी। मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था कि ईश्वर उसे आशिष दे और बचाये तब यीशू ने कहा मैं नही जानता कि तुम किस के बारे में प्रार्थना कर रहे हो क्योंकि इसके लिए सब को एक मुल्य चुकाना होगा, प्रभू यीशू ने अपना जीवन बलिदान करके हमारे पापों का मूल्य चुकाया तुम्हे भी वही प्याला पीना होगा बहूत से लोग परमेश्वर कि आवाज को नहीं सुन सकते, क्योंकि वे वचन के अनुसार बलिदान नहीं कर सकते। क्या आप परमेश्वर के प्याले से पीने को तैयार है? यीशू मसीह ही केवल परमेश्वर के पास जाने का एक मात्र रास्ता है। प्रभु यीशू कहते है "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूं, विना मेरे कोई पिता के पास नही जा सकता (यूहन्ना १४:६) यीशू कहते है द्वार मैं हूं जो मेरे द्वारा प्रवेश करेगा अनन्त जीवन पायेंगा, प्रभू यीशू मेरा मुक्तिदाता है, मेरा राजा मुझे प्यार करने वाला और मेरा गुरू है, जो प्रभू पर विश्वास करेगा वह नाश नहीं होगा बल्कि अनन्त जीवन पायेगा। अगर आप ने अपना जीवन सम्पूर्ण रूप से

अर्पित नहीं किया तो अब भी समय है प्रार्थना करिये और प्रभू से पूछिये कि वह आपके रक्षक बनेंगे कि नही। इस संसार का लालच और पापी इच्छा से आप मुक्त हो जायेंगे। सोचिये आप पापी अवस्था में कैसे प्रभू के सामने खडे हो सकेंगे। संसार के जाल से निकलो। मैं सोचता हूं कि मैं प्रभू से बहूत प्यार करता हूं, और धरती पर रहने वाले हर मनुष्य को उसकी पीछे चलने को कहूंगा, यह मेरी दिली इच्छा है मुझे आशा है कि एक दिन प्रभू मेरी इच्छा को पूरा करेंगे। इसके लिए हमे अपने आप से अलग रहना होगा, त्याग और बलिदान करना होगा तभी हम ईश्वर कि इच्छा का पालन कर सकेंगे। और उसे अपना रखवाला बना सकेगे। आईये यीशू बुला रहा है, उसे मत टालिये उसकी आवाज को सुनिए। यही मौका है मन बदलाव का सब से पहले अपने आप को यीशू के प्रति अर्पित करें और यह स्वीकार करे के आप पापी है ईश्वर कि इच्छा का विरूद्ध काम करके बहुत से पाप कमाये है। आप को पापों से मुक्ति नहीं मिल

सकती इस लिए आप को रखवाला चाहिये, और वह है यीशू मसीह, यदि तुम परमेश्वर के आगे रो रो कर अपने पाप स्वीकार करों तो वह आपके सारे पापो को क्षमा करेगा, और जीवन को निखरे हुए कपडो का समान धोकर साफ कर देगा। यदि तुम रोशनी में चलोगे तो प्रभू यीशू के अनमोल खून से साफ कर दिये जाओगें (यूहना १:७-९) अगर तुम अपने मूह से ईकरार करो "प्रभू यीशू मसीह है और अपने दिल से विश्वास करो कि वह सलीब पर मारा गया तीसरे दिन मुर्दो से जी उठा तो यही विश्वास आप को वचा लेगा, जो कोई उस पर ईमान उठाये तो यही विश्वास आप को बचा लेगा, जो कोई उस पर ईमान लायेगा वह अनन्त जीवन पायेगा, वह मसीह में सदा जिन्दा रहेगा। (रोमी १:१-३) मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं, यदि आज आप की मृत्यू होने वाली है तो क्या आप जानते है कि आप सीधे स्वर्ग जायेंगे? बाईबिल हमे उन लोगो के बारे में चेतावनी देती है जो कहते है कि हम परमेश्वर को पहचानते है, लेकिन उनके काम

देखकर पता चलता है के वह झूठ बोल रहे है (तीतस १:१६)। यीशू मसीह के पीछे आने के लिए यह बहुत ही गम्भीर निर्णय है। आज आप को अपने उद्धार के लिए निश्चय करना होगा। और अभी समय है कि आप प्रभू यीशू से प्रार्थना करे, आईये हम सब मिल कर प्रार्थना करे। वह जरूर हमारी प्रार्थना को सुनेगा। प्रभू यीशू सब को प्यार करता है। वह आप को बुला रहा है।

"हे प्रभु मैं आप का पवित्र नाम लेकर प्रार्थना करता हूं, प्रभु मैं जानता हूं कि मैं पापी हूं मैं ने तुम्हारी इच्छा के विरूद्ध बहुत से काम किया है, प्रभू जी मैं नाश नही होना चाहता। आप मुझे क्षमा करिये और बचा लीजिये मैं मर कर नरक नहीं जाना चाहता, प्रभू मुझे अनन्त जीवन और स्वर्ग प्रदान करो, हे प्रभू मेरे सारे पापों को क्षमा करो, और मुझे अपने पीछे चलने कि आज्ञा दो" आपने क्रूस पर दर्दनाक मौत सही ताकि मैं अनन्त जीवन पाऊ और पापो से मुक्त हो जाऊ। मेरे पास तो आप कि इस अनोखी कुरबानी के लिए शब्द भी

नहीं है अपनी गन्दी और नापाक जुबान से मैं आपके पवित्र नाम को भी नहीं ले सकता मगर प्रभू मै तुम्हे दिल से धन्यवाद करता हुं। प्रभू मेरे दिल में आकर बस जाओ। हे प्रभू तुम ही मे रखवाले और रक्षक हो, मुझे अपनी पवित्र आत्मा कि शक्ति का बरदान दीजिये ताकि शैतान कि ताकत को कमजोर करके उसपर विजय पा संकू आप के महान नाम द्वारा शैतान और सारी दुष्ट आत्माओं से छुटकारा पा सकूं, परमेश्वर का सत्य मेरे जीवन को भरपूर करे इसी समय परमेश्वर कि उपस्थिति मुझे छुये। प्रभु यीशू की नाम से मैं ने प्रार्थना की, आमीन।

परमेश्वर ने आपके जीवन के लिये एक विशेष उद्देश्य रखा है, और आज प्रभु यीशू आप को पुकार रहा है, आओ अपने आप को प्रभु के हवाले करो और स्वर्ग के हकदार बनो। और इस प्रकार अपने उद्देश्य समझ सकोगे और परमेश्वर आपको आर्शीवाद देगा, उसके मित्रो मे तुम्हारी गिन्ती होने लगेगी, बहुत से लोगों ने प्रभू के पीछे आने का निश्चय किया मगर रास्ता कठिन देख कर पीछे हट

गया अधिक देर तक टिक न सका क्योंकि स्वर्ग का रास्ता कठिन और संकडा है। एक आदमी था जिसका नाम यहूदा था और वह प्रभू यीशू के १२ चेलो मे से एक था, यीशू को बहुत प्यार करता था मगर शैतान के बहकावे मे आकर उसे लालच हो गया और प्रभू को ३० चांदी के सिक्को के बदले बेच दिया क्योंकि उसका विश्वास प्रभू से हट कर शैतान पर हो गया था। और अन्त में इसी यहूदा ने प्रभू का शत्रूओं के हवाले कर दिया, मगर फिर उसको पश्चाताप कि आग में जलना पडा, वह सहन न कर सका और अपने आप को पेड से लटकाकर फांसी दे दी, परमेश्वर के विषय में जानने के लिए आप को धर्म शास्त्र का अध्ययन करना होगा। बाईबिल ईश्वर का वचन है उसे समझना होगा और प्रभू से लगातार प्रार्थना करनी होगी, और यदि आप सच्चे मन से प्रभू को बुलाए तो वह जरूर आप के दिल मे आयेगा। प्रभु के प्रति प्रेम और जिज्ञासा कि भूख जगानी होगी मसीह को स्वीकार करना कोई आसान बात नहीं है संसार के

लोग ऐसा नहीं चाहते है आपके मित्र, भाई बहन माता पिता इस के खिलाफ हो जायेंगे, शायद आप को घर धन दौलत माता पिता सब को छोडना पडे यीशू को स्वीकार करना एक बहुत बडी परीक्षा से गुजरना है। कष्ट और दुःख मसीह का रास्ता है। मगर अन्त में सच्चाई ईमान और प्रभू कि जीत होनी है, शैतान हजार कोशीश के बाद भी प्रभु से टक्कर नहीं ले सकता और हार कर उसे प्रभू के सामने सिर झुकाना ही पडता है। शैतान कि शक्ति को तोडने के लिए प्रभू से लगातार प्रार्थना कि जरूरत है, मैं ने भी बहुत कष्ट सहे मगर अब मैं प्रभू का वचन सुना सुना कर दुसरो को मसीह बनने कि प्रेरणा देता हूं मैं एक कमजोर व्यक्ति था मगर प्रभु ने मेरे मन को छुआ और आज मेरी आत्मा स्वतन्त्र है मैं प्रभू में खुश हूं उनका प्रचार करके मुझे सन्तुष्टि प्राप्त होती है। परमेश्वर कहता है कि मजबूत मसीह बने, और दूसरो को बताने मे कभी डर महसूस न करें के यीशू ने आपके जीवन को कैसे बदल दिया, समाचार सुनाने

के लिए कभी पीछे मत हटो, यदि बलिदान भी देना है तो परवाह मत करना, आप एक पक्के विश्वासी बने और अपने प्रभु को दिल से प्यार करे और अविश्वासियों के सामने प्रभू कि गवाही देने से न डरे परमेश्वर से अपने जीवन में महान काम करने कि शक्ति मांगे। इस प्रकार प्रभू आपको अपनी बरकतो से मालामाल करेगा। उसके नाम कि खातिर कष्ट तो सहने पडेंगे मगर लोग आदर भी करेंगे, प्रभू यीशू की राज्य में इज्जत के साथ आपका स्वागत किया जायेगा।

प्रभु आप सब के साथ हो। और अपनी पवित्र आत्मा से भर दे। आप और आपका परिवार सदा प्रभू की राह में चले। आशा है की आप मेरी इस गवाही से उत्साहित होकर प्रभू के पास आयेंगे।

धन्यवाद। प्रभू आप सबके साथ हो।

क्या आप प्रभू यीशू की राह पर चलना चाहते हैं ?

हाँ ☐ नही ☐